RAN-1901130302040001

RAN-1901130302040001

M.A. (Semester-II) Examination March - 2026
Hindi (Paper-C.C.09-A) : Modern Hindi Poetry
Aadhunik Hindi Kavya

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book.

Seat No.:

Student's Signature

प्र-1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए : **10**

1) 'परशुराम की प्रतिक्षा' काव्य कितने खण्डों में विभक्त हैं? और इस रचना का प्रमुख रस कौन-सा है?
2) नेफा के मैदान में कौन खड़ा हैं? कवि दिनकर उन्हें क्या पूछते हैं?
3) 'परशुराम की प्रतिक्षा' काव्य के परशुराम किसके प्रतीक हैं?
4) 'अंधायुग' का अश्वत्थामा किसका प्रतीक हैं?
5) 'अंधायुग' काव्य का मूल स्रोत क्या हैं? इस काव्य की कथा कितने अंकों में विभाजित हैं?
6) संजय की दिव्य दृष्टि कब लुप्त हो गयी?
7) किन्हीं चार स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी प्रबन्ध काव्य का उल्लेख कीजिए ।

प्र-2. 'परशुराम की प्रतिक्षा' काव्य में अभिव्यक्त संदेश की चर्चा कीजिए । **13**

अथवा

प्र-2. 'परशुराम की प्रतिक्षा' के काव्य-स्वरूप की चर्चा कीजिए । **13**

प्र-3. 'अंधायुग' काव्य के प्रमुख पात्र के रूप में अश्वत्थामा के चरित्र की विशेषताओं का परिचय दीजिए । **13**

अथवा

प्र-3. मिथकीय काव्य के रूप में 'अंधायुग' काव्य का मूल्यांकन कीजिए । **13**

प्र-4. अ) किसी एक पर टिप्पणी लिखिए :- **14**

1) कवि दिनकर की 'आपधर्म' कविता का संदेश ।
2) 'अंधायुग' शीर्षक की सार्थकता ।

ब) किसी एक पर ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

1) ''गाओ कवियों! जयगान, कल्पना तानो,
आ रहा देवता जो, उसको पहचानो ।
हैं एक हाथ में परशु, एक में कुश हैं,
आ रहा नये भारत का भाग्य-पुरुष ।।''

2) ''मर्यादा मत तोड़ो
तोड़ी हुई मर्यादा
कुचले हुए अजगर-सी
गुंजलिका में कौरव-वंश को लपेट कर
सूखी लकड़ी-सी तोड़ डालेंगी।''